

**PREVIOUS YEAR REPEATED QUESTION SERIES**

**LAST CHANCE TO SCORE GOOD MARKS .**

**Part: 1**

**Critically examine the feminist view of state and its relevance to international relations.**

**• Patriarchal Structure of the State**

- Feminist theorists argue that states are built on male-centered or patriarchal values. This means that men and their interests often dominate decision-making processes, leaving women and other groups underrepresented.
- **Example:** In many countries, even though women make up half the population, only a small percentage of parliament members are women. This can limit diverse perspectives on laws that affect everyone, such as maternity leave policies or domestic violence laws.

**राज्य की पितृसत्तात्मक संरचना**

- नारीवादी सिद्धांतकारों का मानना है कि राज्य पुरुष-केंद्रित या पितृसत्तात्मक मूल्यों पर आधारित होते हैं। इसका मतलब है कि निर्णय-निर्माण प्रक्रियाओं में पुरुष और उनके हित हावी रहते हैं, जिससे महिलाओं और अन्य समूहों का प्रतिनिधित्व कम हो जाता है।
- **उदाहरण:** कई देशों में, महिलाओं की जनसंख्या आधी होती है, फिर भी संसद में महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम होता है। इसका असर उन कानूनों पर पड़ता है

जो सभी पर प्रभाव डालते हैं, जैसे कि मातृत्व अवकाश नीति या घरेलू हिंसा के कानून।

- **Focus on Military Power Over Human Security**

- The feminist perspective critiques the state's approach to security, which is often about building military strength rather than focusing on human welfare and safety for all citizens. Feminists argue that real security includes food, health, education, and protection from violence.
- **Example:** In a country that invests heavily in military spending but underfunds healthcare and education, citizens may face issues like lack of medical facilities or poor schooling. Feminist theories emphasize that a secure society is not just one with a strong military but also one where people's basic needs are met.

### मानव सुरक्षा के बजाय सैन्य शक्ति पर ध्यान केंद्रित करना

- नारीवादी दृष्टिकोण राज्य की सुरक्षा की सोच की आलोचना करता है, जो अक्सर सैन्य शक्ति पर केंद्रित होती है न कि नागरिकों की भलाई और सुरक्षा पर। नारीवादी मानते हैं कि वास्तविक सुरक्षा में भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, और हिंसा से बचाव शामिल हैं।
- **उदाहरण:** एक ऐसा देश जो सैन्य खर्च में भारी निवेश करता है लेकिन स्वास्थ्य और शिक्षा में कम, वहां नागरिकों को मेडिकल सुविधाओं की कमी या खराब स्कूलिंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। नारीवादी दृष्टिकोण इस बात पर जोर देता है कि सुरक्षित समाज वही है जहां लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी होती हैं, न कि केवल सैन्य शक्ति मजबूत होती है।

- **Gender-Based Inequality in Policies**

- Feminist thinkers believe that many state policies unintentionally or intentionally uphold gender inequality. For instance, policies may fail to address issues that specifically affect women, such as gender-based violence or workplace discrimination.

- **Example:** In some places, laws against workplace harassment are either weak or not enforced effectively. This can leave many women vulnerable to harassment without proper legal support. Feminist views push for policies that specifically protect all genders equally.

## नीतियों में लिंग-आधारित असमानता

- नारीवादी विचारक मानते हैं कि कई राज्य नीतियां जानबूझकर या अनजाने में लिंग-आधारित असमानता को बनाए रखती हैं। उदाहरण के लिए, नीतियां उन मुद्दों को नजरअंदाज कर सकती हैं जो विशेष रूप से महिलाओं को प्रभावित करते हैं, जैसे कि लिंग-आधारित हिंसा या कार्यस्थल पर भेदभाव।
- **उदाहरण:** कुछ जगहों पर कार्यस्थल पर उत्पीड़न के खिलाफ कानून कमजोर होते हैं या सख्ती से लागू नहीं किए जाते। इससे महिलाओं को उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है और उनके पास उचित कानूनी सुरक्षा नहीं होती। नारीवादी दृष्टिकोण ऐसी नीतियों की वकालत करता है जो सभी लिंगों की समान रूप से रक्षा करें।

## What are the basic feature of theory of under development .

### • Dependency on Developed Nations

- Underdevelopment theories, especially dependency theory, argue that less-developed countries often depend heavily on developed countries for trade, investment, and technology. This dependency keeps them economically subordinated, as they rely on developed nations for resources, which limits their own development.
- **Example:** Many developing countries export raw materials to developed nations and import finished goods, which limits their ability to build their own industries.

### • विकसित देशों पर निर्भरता

- अविकसितता के सिद्धांत, विशेष रूप से निर्भरता सिद्धांत, का कहना है कि कम विकसित देश व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी के लिए विकसित देशों पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं। यह निर्भरता उन्हें आर्थिक रूप से अधीन बनाए रखती है

क्योंकि वे संसाधनों के लिए विकसित देशों पर निर्भर रहते हैं, जो उनके अपने विकास को सीमित कर देता है।

- **उदाहरण:** कई विकासशील देश कच्चे माल का निर्यात करते हैं और तैयार माल का आयात करते हैं, जो उन्हें अपनी स्वयं की औद्योगिक क्षमता विकसित करने में बाधा पहुंचाता है।

- **Unequal Trade Relations**

- The theory suggests that underdeveloped nations are often disadvantaged in global trade, as they mainly export low-value raw materials while importing high-value manufactured goods. This creates an unfavorable balance of trade and keeps these countries economically disadvantaged.
- **Example:** African nations exporting minerals or agricultural products may receive far less value than the manufactured goods they import from industrialized countries.

- **असमान व्यापार संबंध**

- सिद्धांत यह सुझाव देता है कि अविकसित राष्ट्र वैश्विक व्यापार में अक्सर नुकसान में रहते हैं, क्योंकि वे मुख्य रूप से कम मूल्य के कच्चे माल का निर्यात करते हैं और उच्च मूल्य के निर्मित सामान का आयात करते हैं। यह असमान व्यापार संतुलन पैदा करता है और इन देशों को आर्थिक रूप से कमजोर बनाए रखता है।
- **उदाहरण:** खनिजों या कृषि उत्पादों का निर्यात करने वाले अफ्रीकी देशों को अक्सर उन निर्मित वस्तुओं की तुलना में बहुत कम मूल्य प्राप्त होता है जो वे औद्योगिक देशों से आयात करते हैं।

- **Exploitation of Resources**

- Underdevelopment theories emphasize that developed countries exploit the natural and human resources of developing nations for their own gain. This exploitation leaves underdeveloped countries with depleted resources and minimal economic benefits.

- **Example:** Large multinational corporations extract minerals or oil in developing countries, but profits often go to the corporations, leaving local communities with little economic improvement.

## संसाधनों का शोषण

- अविकसितता के सिद्धांत इस बात पर जोर देते हैं कि विकसित देश अपने लाभ के लिए विकासशील देशों के प्राकृतिक और मानव संसाधनों का शोषण करते हैं। इस शोषण से विकासशील देशों में संसाधनों की कमी हो जाती है और उन्हें आर्थिक लाभ बहुत कम मिलता है।
- **उदाहरण:** बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां विकासशील देशों में खनिज या तेल का निष्कर्षण करती हैं, लेकिन मुनाफा अक्सर उन्हीं कंपनियों को जाता है, जिससे स्थानीय समुदायों को आर्थिक सुधार बहुत कम होता है।

## • Internal Inequality

- The theory of underdevelopment also focuses on the unequal distribution of wealth within developing countries, often caused by the concentration of resources among the elite. This internal inequality prevents broad-based economic growth and keeps a large portion of the population in poverty.
- **Example:** In many developing countries, a small group of wealthy elites controls much of the economy, while the majority of the population remains poor with limited access to resources.

## • आंतरिक असमानता

- अविकसितता का सिद्धांत विकासशील देशों के भीतर धन के असमान वितरण पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जो अक्सर संसाधनों के एक छोटे से समूह के बीच केंद्रित होने के कारण होता है। यह आंतरिक असमानता व्यापक आर्थिक विकास को रोकती है और आबादी के एक बड़े हिस्से को गरीबी में रखती है।
- **उदाहरण:** कई विकासशील देशों में, एक छोटे से अमीर वर्ग का आर्थिक व्यवस्था पर नियंत्रण होता है, जबकि अधिकांश आबादी गरीब होती है और संसाधनों तक सीमित पहुंच रखती है।

- **Historical Colonial Influence**

- Underdevelopment theories often point to historical colonialism as a major cause of modern underdevelopment. Colonizing powers extracted wealth from colonized regions, disrupting local economies and establishing systems that prioritized the needs of the colonizers. The impact of colonialism continues to affect many countries today.
- **Example:** Colonial powers established cash crop economies in regions like Africa and South America, which has led to economic dependency and limited industrial growth in these areas even after independence.
- **ऐतिहासिक औपनिवेशिक प्रभाव**
  - अविकसितता के सिद्धांत अक्सर आधुनिक अविकसितता के प्रमुख कारण के रूप में ऐतिहासिक औपनिवेशिकता की ओर इशारा करते हैं। उपनिवेशवादी शक्तियों ने उपनिवेशित क्षेत्रों से धन निकाला, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बाधित किया और ऐसे प्रणालियाँ स्थापित की जो उपनिवेशवादियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देती थीं। आज भी कई देशों पर उपनिवेशवाद का प्रभाव बना हुआ है।
  - **उदाहरण:** उपनिवेशवादी शक्तियों ने अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों में नकदी फसल अर्थव्यवस्था स्थापित की, जिससे इन क्षेत्रों में आर्थिक निर्भरता और स्वतंत्रता के बाद भी सीमित औद्योगिक विकास हुआ।

Link of other parts are given in the description box .